

शांत 3. प्रवृत्त, लीन 4. व्यवस्थित 5. प्रतिपादित  
6. स्वीकृत 7. सदृश, अनुरूप, समान।

**समाहृत वि.** (तत्.) 1. जिसे बुलाया गया हो, आहूत  
2. एकत्र किया हुआ 3. ललकारा हुआ।

**समाह्वय पुं.** (तत्.) 1. चुनौती 2. युद्ध, संघर्ष,  
द्वंद्व युद्ध 3. क्रीड़ा के लिए जानवरों को  
लड़ाना 4. जानवरों की लड़ाई पर बाजी लगाना  
5. नाम, संज्ञा।

**समाह्वान पुं.** (तत्.) 1. सम्यक् प्रकार से आह्वान  
करना, बुलाना 2. चुनौती देना 3. जुआ खेलने  
के लिए बुलाना या ललकारना 4. जानवरों की  
लड़ाई पर बाजी लगाना।

**समित वि.** (तत्.) 1. मिला हुआ, संयुक्त 2.  
अंगीकृत, स्वीकृत 3. पूरा किया हुआ पुं. 1. युद्ध,  
समर, लड़ाई।

**समिता स्त्री.** (तत्.) महीन पीसा हुआ गेहूँ का  
आटा, मैदा।

**समितंजय पुं.** (तत्.) 1. वह जिसने वाद-विवाद  
प्रतियोगिता, युद्ध आदि में विजय प्राप्त की हो,  
विजयी 2. यम 3. विष्णु।

**समिति स्त्री.** (तत्.) 1. सभा, समाज 2. संस्था 3.  
प्राचीन भारत में राजनीतिक विषयों पर विचार  
करने वाली एक संस्था 4. वर्तमान में शासन,  
संस्था, समाज आदि द्वारा मनोनीत किए गए  
व्यक्तियों का वह दल जिसके जिम्मे कोई विशेष  
कार्य-भार सौंपा गया हो जैसे- सहकारी समिति,  
नगर महिला समिति, सेवा समिति।

**समिथ पुं.** (तत्.) 1. अग्नि 2. आहुत 3. युद्ध,  
लड़ाई।

**समिद्ध वि.** (तत्.) जलता हुआ, प्रज्वलित, प्रदीप्त।

**समिद्धन पुं.** (तत्.) आग जलाने की लकड़ी, ईंधन,  
आग जलाने या सुलगाने की क्रिया।

**समिध पुं.** (तत्.) अग्नि, ईंधन।

**समिधा स्त्री.** (तत्.) यज्ञ में प्रयोग की जाने वाली  
लकड़ी।

**समिधि स्त्री.** (तद्.) दे. समिधा।

**समिर पुं.** (तद्.) 1. वायु 2. शिव।

**समी वि.** (तत्.) सम करने वाला, समीकार।

**समीकरण पुं.** (तत्.) समान, बराबर करना ज्ञात  
राशि की सहायता से अज्ञात राशि निकालने की  
एक क्रिया, जमीन समतल करने का एक बड़ा  
बेलन। roller

**समीकार पुं.** (तत्.) ज्ञात राशि के द्वारा अज्ञात  
राशि निकालने की क्रिया।

**समीक्रिया स्त्री.** (तत्.) 1. समान करने की क्रिया  
2. ज्ञात राशि से अज्ञात राशि निकालने की  
क्रिया।

**समीकृत वि.** (तत्.) 1. समान, समतल किया हुआ  
2. अनुकृत 3. योग किया हुआ।

**समीक्ष पुं.** (तत्.) 1. विचार, विवेचन 2. पूरी तरह  
से जाँच, पूर्ण परीक्षा, परीक्षण।

**समीक्षक पुं.** (तत्.) 1. जाँच करने वाला 2. सम्यक्  
रूप से देखने वाला 3. समालोचक।

**समीक्षण पुं.** (तत्.) देखना, जाँच, परीक्षा, अन्वेषण  
समालोचना।

**समीक्षा स्त्री.** (तत्.) 1. सम्यक् परीक्षा, समालोचना  
2. देखने की इच्छा 3. ग्रंथों, लेखों आदि के  
गुण-दोष का विवेचन 4. अनुसंधान, अन्वेषण 5.  
दृष्टिपात 6. देखने की इच्छा।

**समीक्षाधीन वि.** (तत्.) 1. जिसकी समीक्षा की जा  
चुकी हो, जो भली-भाँति देखा गया हो।

**समीक्ष्य वि.** (तत्.) 1. समीक्षा करने योग्य 2.  
जिसकी समीक्षा होने वाली हो अथवा हो सकती  
हो।

**समीच पुं.** (तत्.) समुद्र।

**समीचीन वि.** (तत्.) 1. संगत, उचित 2. यथार्थ,  
न्याय संगत 3. जो स्थिति विशेष में लाभदायक  
हो, अवसर के अनुकूल।

**समीति स्त्री.** (तद्.) दे. समिति।